



# वार्षिक राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान, 2016-17 और सकल घरेलू उत्पाद के तिमाही अनुमान, 2016-17

Posted On: 31 MAY 2017 7:22PM by PIB Delhi

सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय के केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (सीएसओ) ने वित्त वर्ष 2016-17 के लिए राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान और स्थिर मूल्यों (2011-12) और वर्तमान मूल्यों दोनों पर ही 2016-17 की चौथी तिमाही (जनवरी-मार्च) के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के तिमाही अनुमान जारी कर दिए हैं।

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) और थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) की नई श्रृंखलाओं (सीरीज) का उपयोग करते हुए तिमाही जीडीपी के अनुमानों का संकलन किया गया है। आधार वर्ष 2011-12 के साथ आईआईपी और डब्ल्यूपीआई की नई सीरीज वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के औद्योगिक नीति एवं संवर्धन विभाग के क्रमशः सीएसओ और औद्योगिक सलाहकार कार्यालय (ओईए) द्वारा 12 मई, 2017 को जारी किए गए थे।

तदनुसार, वर्ष 2011-12 से लेकर वर्ष 2015-16 तक के लिए जीडीपी के वार्षिक अनुमानों, जिन्हें 31 जनवरी 2017 को जारी किया गया था, को आईआईपी और डब्ल्यूपीआई की नई सीरीज का उपयोग किए जाने के कारण संशोधित कर दिया गया है। आईआईपी और डब्ल्यूपीआई की नई सीरीज के साथ-साथ आईआईपी और डब्ल्यूपीआई की पुरानी सीरीज के आधार पर वर्ष 2011-12 से लेकर वर्ष 2015-16 तक के लिए जीडीपी वृद्धि दरों का उल्लेख नीचे किया गया है:

वर्तमान मूल्यों पर (करोड़ रुपये में)					स्थिर मूल्यों पर (करोड़ रुपये में)				
वर्ष	जीडीपी		जीडीपी वृद्धि दरें (%)		वर्ष	जीडीपी		जीडीपी वृद्धि दरें (%)	
	पुरानी सीरीज	नई सीरीज	पुरानी	नई		पुरानी	नई	पुरानी	नई
2011-12	8736039	8736329			2011-12	8736039	8736329		
2012-13	9946636	9944013	13.9	13.8	2012-13	9215125	9213017	5.5	5.5
2013-14	11236635	11233522	13.0	13.0	2013-14	9817822	9801370	6.5	6.4
2014-15	12433749	12445128	10.7	10.8	2014-15	10522686	10536984	7.2	7.5
2015-16	13675331	13682035	10.0	9.9	2015-16	11357529	11381002	7.9	8.0

राष्ट्रीय लेखा में संशोधन नीति के अनुसार विगत वर्षों के दौरान जीडीपी के तिमाही अनुमानों के साथ-साथ वर्ष 2016-17 की पहली, दूसरी और तीसरी तिमाही के अनुमानों में भी संशोधन किए गए हैं।

## राष्ट्रीय आय के अनंतिम अनुमान, 2016-17

वर्ष 2016-17 के लिए राष्ट्रीय आय के दूसरे अग्रिम अनुमान 28 फरवरी, 2017 को जारी किए गए थे। कृषि उत्पादन एवं औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के नवीनतम अनुमानों और महत्वपूर्ण क्षेत्रों जैसे कि रेलवे, परिवहन (रेलवे को छोड़कर), संचार, बैंकिंग तथा बीमा के प्रदर्शन और सरकारी व्यय को शामिल करते हुए इन अनुमानों को अब संशोधित कर दिया गया है।

## वर्तमान मूल्यों पर अनुमान

### सकल घरेलू उत्पाद

वर्ष 2016-17 में वर्तमान मूल्यों पर जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के बढ़कर 151.84 लाख करोड़ रुपये के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो वर्ष 2015-16 में 136.82 लाख करोड़ रुपये आंकी गई थी। यह 11.0 फीसदी की वृद्धि दर दर्शाती है।

वर्तमान मूल्यों पर जिन क्षेत्रों (सेक्टर) ने 9 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है उनमें 'कृषि', 'विनिर्माण', 'व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण संबंधी सेवाएं', 'वित्तीय, अचल संपत्ति एवं प्रोफेशनल सेवाएं' और 'लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं' शामिल हैं।

## राष्ट्रीय आय

वर्ष 2016-17 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 149.94 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है, जो वर्ष 2015-16 में 135.22 लाख करोड़ रुपये थी। यह 10.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

## प्रति व्यक्ति शुद्ध राष्ट्रीय आय

वर्ष 2016-17 के दौरान वर्तमान मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय के बढ़कर 103219 रुपये के स्तर पर पहुंच जाने का अनुमान है, जो वर्ष 2015-16 में अनुमानित 94130 रुपये थी। यह 9.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाती है।

## स्थिर (2011-12) मूल्यों पर अनुमान

### सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी)

वर्ष 2016-17 में स्थिर (2011-12) मूल्यों पर वास्तविक जीडीपी अथवा सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के बढ़कर 121.90 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान लगाया गया है, जबकि वर्ष 2015-16 में यह 113.81 लाख करोड़ रुपये आंका गया था। यह 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

## बुनियादी मूल्यों पर सकल मूल्य वर्धित (जीवीए)

वर्ष 2016-17 में बुनियादी स्थिर मूल्यों (2011-12) पर वास्तविक जीवीए अर्थात जीवीए के बढ़कर 111.85 लाख करोड़ रुपये हो जाने का अनुमान लगाया गया है, जो वर्ष 2015-16 में 104.91 लाख करोड़ रुपये था। यह 6.6 प्रतिशत की वृद्धि दर को दर्शाता है।

जिन क्षेत्रों ने 7.0 फीसदी से ज्यादा की वृद्धि दर दर्ज की है उनमें ‘लोक प्रशासन, रक्षा एवं अन्य सेवाएं (11.3 प्रतिशत)’, ‘विनिर्माण (7.9 प्रतिशत)’, ‘व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से जुड़ी सेवाएं (7.8 प्रतिशत)’ और ‘विद्युत, गैस, जलापूर्ति एवं अन्य उपयोगी सेवाएं (7.2 प्रतिशत)’ शामिल हैं। ‘कृषि, वानिकी एवं मत्स्य पालन’, ‘खनन एवं उत्खनन’, ‘’, ‘निर्माण’ और ‘वित्तीय, अचल संपत्ति एवं प्रोफेशनल सेवाओं’ की वृद्धि दर क्रमशः 4.9, 1.8, 1.7 और 5.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है।

**सकल राष्ट्रीय आय**

वर्ष 2016-17 के दौरान वर्ष 2011-12 के मूल्यों पर सकल राष्ट्रीय आय (जीएनआई) 120.35 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान लगाया गया है, जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह अनुमानित 112.46 लाख करोड़ रुपये थी। वर्ष 2016-17 के दौरान सकल राष्ट्रीय आय में 7.0 फीसदी की वृद्धि होने का अनुमान लगाया गया है जबकि वर्ष 2015-16 के दौरान वृद्धि दर 8.0 फीसदी थी।

**प्रति व्यक्ति आय**

वर्ष 2016-17 के दौरान सही अर्थों में (2011-12 के मूल्यों पर) प्रति व्यक्ति आय के बढ़कर 82,269 रुपये के स्तर पर पहुंच जाने की संभावना है, जो वर्ष 2015-16 में 77803 रुपये थी। वर्ष 2016-17 के दौरान प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर 5.7 फीसदी रहने का अनुमान लगाया गया है, जो पिछले वर्ष 6.8 फीसदी थी।

\*\*\*

**जीवाई/आरआरएस/डीके- 1557**